





नरुवागः॥युनामिष्य(मिष्यनमभनवृद्धिर्ववसिगा॥३॥तर्वध्वयर्हर्हर्गइदयनक्र
पुलयकृ(पियावसुरव्यर्हर्निर्हर्मुमुनरिनासुगनूष॥अरुवर्नामसीनवनदचम
नियामनमनांविहर्हुव्याकामिविबधतवुहकेऊउधिमः॥४॥किमिहः॥किंका
यः॥सुसचकिमुपायसिुरुवनः॥किमाभायाभागासुर्जतिकिसूयादानवुतिचः॥
अनर्ध्वयर्त्वम्यनवसुपइहहर्धिमः॥कतर्ध्वयर्काधिमुखयगिमाहाभगगः॥
॥५॥अनर्ध्वयर्नाकाः॥किमनयववावर्गाविजगगमधिसूगर्नर्किहवविधि

नतादृष्टरेवति॥अनिआवाक्यद्ववनऊनभकः॥यनिकयायतामन्दासांयुष्टमच
वनसंअनगवुमः॥६॥उमासारवीभागशायमुयतिमर्ध्ववमितिप्ररिर्वयसुन
यनमिदमदः॥य(ममितिच॥रचिनांर्वि।गादृऊकतिलनानापथशसांनुना
भकागमसुमसिपयसामर्ध्ववुव॥७॥महिऊः॥खर्द्वगंयसुजितरसुहनी
नः॥कयातैरतीयरुववनदमंजायकनर्न॥सुनासीगामृद्धिदधनिहुनुव
हुवुमिहर्गा॥नहिस्यासांनार्मविषयमृगागुमुमुममति॥८॥कृवक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
 सुखं ह्यसौ विदधाति धनम् ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

१ॐ सा। रा। र्यं। उ। रा। र्यं। डिं हं हट॥ वासु॥ मिताया सु। सी। नया सु। निया
इयको वमृसान सुवूय किठ क तिपू नहाय उतम॥ ॥२३॥ सिद्धि मु र्मा
॥॥ उं यिलित हं मरुडक न न हट सा ता॥ धर्म उ विमूय क पि डा दावा
न पा चा डा ना य क्का डा मूय क क स्तान इ म ता॥ ॥ धन या नि। उ न या।
नि सु तु मि ठ या नि सु वं का उ सु वं प्र न का उ सिद्धि मु र्मा ॥ न र व का य

२३। थ या ति॥ वं ला मि॥ उ। ना॥ ग थ उ न॥ सि लि॥ यु व ल वं स य॥ ॥२४॥ र्मा सु॥
क स लि॥ न सा क॥ जि श य॥ क य व ल॥ क स सा॥ न कि॥ वा ल॥ धू धू लि॥ पु या थ उ स्तान॥
ता लि सा॥ ध नः क ति॥ क थं ल॥ क तु ल॥ य व ड॥ वा ग क स य॥ य ग तु रं ड न॥ क न॥ सि धू नू
अ क्त॥ सा म ल॥

२३॥ दस्यविकसनमविश्रुत् शुभ्रुत् नगक नगमाधडा ॥ यस
यनयनहाहवाहन, उग्रयथकयतानिहान ॥ २॥ ददुदिव
शुभ्रुत् नगनगतह वि विद्याविद्याक नकग वे वि ॥ अककयिउयधन
कनयक वचनशुभ्रुत् ॥ यदुकचननधुनिश्रुति दस्यसुखीश्र
विदुखजानि ॥ ३ विभिउमगिह वि नाहि, कामह, न वि श्रवगमहि ॥
उयचनशुनिमदका नगवन वि ति नसा ॥ कादु नि लभ वि यविताम

१॥ यदुगनगशुभ्रुत् ॥ दिवतकह धनश्रुत्, न जावतयाचश्रुत् श्रुति ॥
कि कहुय गाहहि शुभ्रुत् श्रुत् ॥ गानिक नहुय नका न ॥ उग्रवि नुत्त
सुगंश्रुत् नगयमनृ यतान कादु कविश्रुत् ॥ २ ॥
२॥ नग ॥ नग ॥ उडाग गहनेज नह वि रुचादच ॥ का नहुय म् सुखनरुवनि
हा वि ॥ उडाग गह विमलक मयवन रु मलोय च सु वा वि ॥ गह ग नथह मर
गजा नि सुखकय च सनान वि वि धे रु न सयश्रुत् वाह दृष्ट ध वि नृ ध श्रुत् ॥
उडाग गह याग म वि श्रुत् श्रुत् रु मलोय च वि रु नि ॥ गह उदि ग वि नरु म

मानं विधिकं च उति। सुक विनययन गाय मन्त्रक हसून सूजन मूना वि। ७
 ज्यदक मनरा मरुय न ह्यिउ वसुहानि॥ ॥२ नागकदान॥ थमथे
 समन वि वक मयाक स्वस मन्व रु थ ग न ग डा द्रा हा नाक॥ अधिक म्मो धा
 य म्म थ म उ ह या न सूजन ज्वर न स्व इ या ग्र मान॥ च सि क डा न स न दु यो
 गि उ सि न्वा क को य क ग य र वा यि न अ नि न्वा॥ ओ व न म न न दु र्व र्व म
 स्व र्वा डा॥ पु म्म जि न मान ॥ द या ला के थि य न ॥ ० ॥ क य ना ग य क

॥ ॐ नमो भगवते सर्वद्वयगणितविष्णुभक्तवाङ्मय नमः ॥
 या रुचि नमः कृष्णसंज्ञाय नमः ॥ ॐ नमः ॥ विष्णुभक्त
 वेद्याय विष्णुभक्त सर्वद्वयगणितविष्णुभक्तवाङ्मय नमः ॥
 ध्याय सर्वकर्मवचनविष्णुभक्तवाङ्मय नमः ॥ ॐ नमः ॥
 निश्चाचनि ३

१३३३ भाद्रपद मित्यनिष्ठा धन जा जाय ॥ धन कस या न वासन यिक
ध या न न य श वाय यिक या दान स ॥ कृष्ण लामल धन कसी
का या न ॥ वा के आय ॥ ॥ अ द्र अ मु क मी व रु अ मु क
स गि ल्हा अ मु क न क न अ मु द्वा य स ले अ द्र क या सि ग द
वि न न अ मु क या सि ग न च द्रु म सि ॥ य ध न न थ ग ना य द्र

वा धि स च च र्या अ न रि वा धि स लो ग द रि न न न का ॥ १ ॥ वा
दि ग न र्या दि वं ग न य वा धि न अ मु क ना म वा या य ध न ग न
थे र्या व वे सा व द्वा ली यि लु र ना र्ये कृष्ण स न म द नि र्वा ना ॥ ३ ॥
कृष्ण न न मी वा कृ ल यु ग स नं स म्पु र्या मि स ध न ॥ ३ ॥
न य न न ॥ ० ॥ अ द्र क र्त्त वा र्थ य नि य द्र स ध न ॥ ३ ॥ लं रं न
दा य ॥ ० ॥ अ द्र स र्थ नि य द्र न दं ॥ लो लो न न अ धि स न न्या



श्री आनंदकाथि

1.058

ASHA ARCHIVES

[illegible]

का शि मि रा थ ॥ प्रहृदि महारु न द व सि वि य छि उ स क म गू हि
वा प्र नि महा न ली स नि ह न रु न वे अ ध र आ ल्प य य ति स्वा हा ॥
यू न र शि रा व ना ॥ ज मु न खो म हा व क्षिः क पि या वा म स सु नूः प्र र
ग्रा वा म हा अ सुः सत्वा वृ श ट का र को ॥ म क क स ३ क षा द जी या नी के
ली च रु रु उः ॥ व रु स गु मि मा ना रू र बु ता र्वे मु की र्वे लेः ज म
धि र वी रे रु या न ॥ श्री न न म ग वं उ आ म रा शु य स्वा हा ॥ ३ ॥ न ठ व वि वि

महाविद्यालय निशु

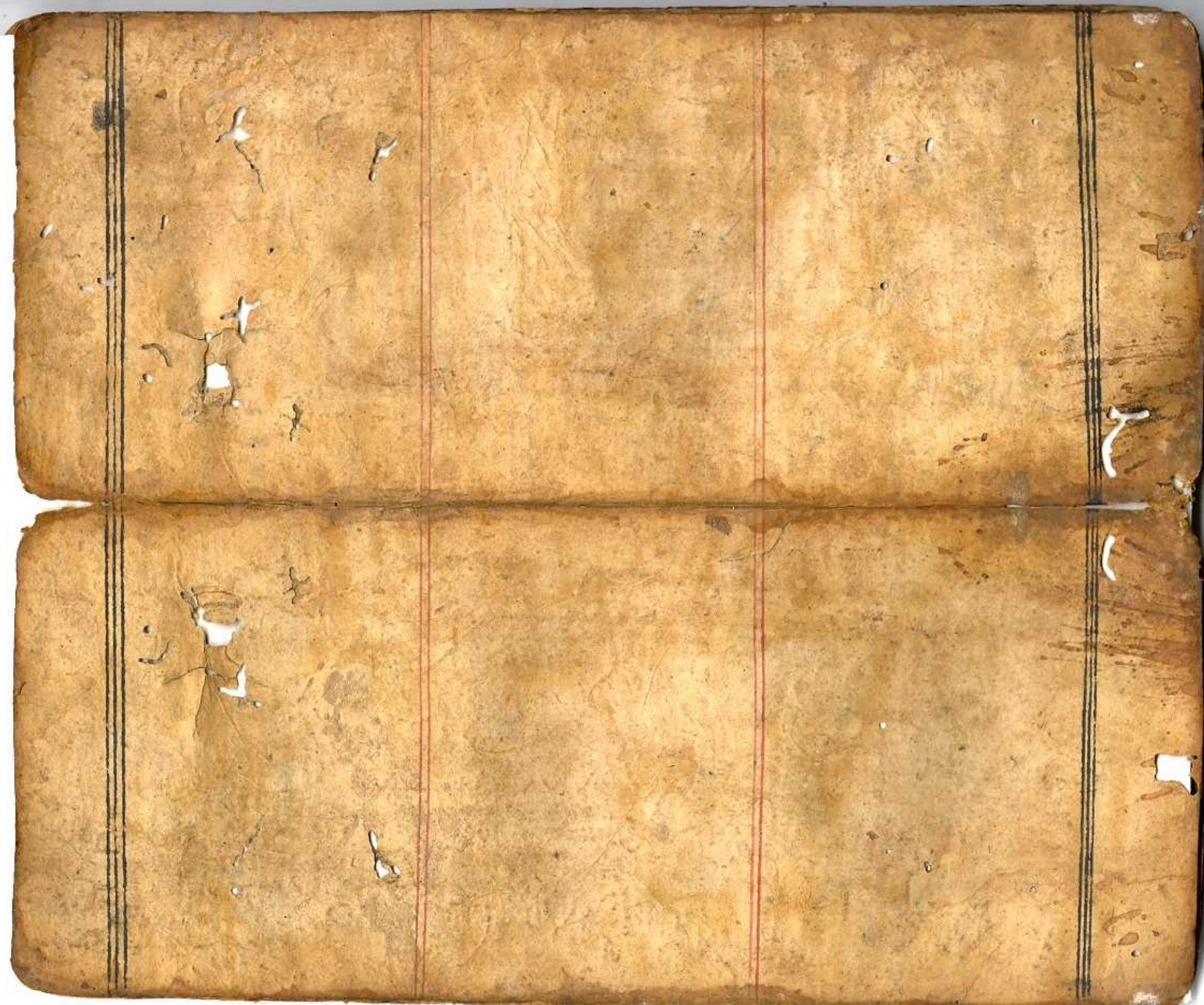
[illegible]

य स्म न काः स ॥ वृत्त ग ग नः सु व न उ उ मा धु त स र्व वृ द
 य वि गृ ह्ण ॥ न म म स य वि वा न स्य सा नि य नी व उा च न म गृ वि
 को र्व वृ द्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्व त न र वि ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्व त न र वि ॥
 मः कालाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्व त न र वि ॥
 व लि गृ ह्ण ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्व त न र वि ॥

हृदय रदिलनं कवमा रय रं १५८ स्वाहा ॥ महा काले वि ॥ २ ॥
उं नमः ॥ या प्रका लाय वि चरु म अ म ग ल व ह य वि ॥ १ ॥
म नि शु र क र्मु र्थः स य । त्वी क र्थः स य वि वा र्थः ॥ १ ॥
म नि यं प य प य दि य व रि क पा म्या मि स य ॥ १ ॥
उ नु त्रि ध नु खा प नु पि व नु ह स क वा पा न य रि स व स वी ना र



2/25/2



212 13 6
11 12 3 4 5
212 13 6
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5

11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5
11 12 3 4 5

11 12 3 4 5